पाठ 16. ओज़ोन की छतरी

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है। इस पाठ के द्वारा बच्चे वायुमंडल में उपस्थित ओज़ोन परत के बारे में जान पाएँगे। साथ ही, उन कारणों से भी अवगत हो पाएँगे जिनसे इस परत को नुकसान पहुँच रहा है। इनकी रोकथाम के उपायों पर भी विचार करना इस पाठ के उद्देश्य में निहित है।

पाठ का सारांश

सीधी मछली टेढ़ी लोमड़ी को ओज़ोन पर्व के बारे में बता रही होती है तो भोलूराम गधा इस बारे में सारे जानवरों को सूचित कर देता है। सीधी मछली सभी जानवरों को बताती है कि आज से दो सौ करोड़ वर्ष पहले धरती के वायुमंडल में ऑक्सीजन गैस आई और समुद्र में एक कोशिका वाले जीव पैदा हुए । शुरुआत में ओज़ोन की परत नहीं थी इसलिए धरती पर जीवन नहीं था। ओज़ोन एक गैस है और यह सूरज के प्रकाश के साथ आने वाली हानिकारक किरणों को अवशोषित कर लेती है। अगर ओज़ोन की परत न हो तो सूर्य की हानिकारक किरणें सीधे पृथ्वी पर आएँगी और भयंकर बीमारियाँ फैल जाएँगी। सीधी मछली बताती है कि रासायनिक इत्र, विमानों से निकलने वाला धुआँ आदि ओज़ोन की परत में धीरे-धीरे छेद करते जा रहे हैं। सारे जानवर सीधी मछली की बात समझ जाते हैं और जंगल में 'ओज़ोन पर्व' मनाने की बात करते हैं।

अध्यापन संकेत

बच्चों से पाठ के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ। पाठ के महत्वपूर्ण बिंदुओं को विस्तार से समझाएँ। बताएँ कि यह पाठ हमें पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रहा है। बच्चों को हमारे वायुमंडल के संबंध में जानकारी दें। उन्हें समझाएँ कि ओज़ोन परत हमारे वायुमंडल के लिए क्यों आवश्यक है।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- पूछें, बाज़ार में बहुत से सौंदर्य प्रसाधनों पर तुमने UV Protection लिखा देखा होगा। क्या तुम इसका अर्थ जानते हो?
- ऐरोसोल युक्त इत्र तथा डियोडरेंट आजकल बाज़ार में उपलब्ध हैं और इन्हें खरीदने वाले भी भारी मात्रा में इनका उपयोग करते हैं। यदि इनसे ओज़ोन परत को खतरा है तो सरकार इन्हें बंद क्यों नहीं करती? तुम्हें क्या लगता है, इसका क्या कारण हो सकता है।
- बताएँ कि ए.सी. तथा रेफ्रीजरेटर से निकलने वाली क्लोरोफ्लोरोकार्बन गैस ओज़ोन परत को सबसे अधिक नुकसान पहुँचाती है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।